अक्षय ऊर्जा की 182 परियोजनाओं की रखी जाएगी आधारशिला

यूपीनेडा से जुड़ी 1.3 लाख करोड़ की परियोजनाओं का होगा भूमि पूजन, सौर ऊर्जा व पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट में होगा बड़ा निवेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : अक्षय ऊर्जा को उत्तर प्रदेश में बढ़ावा देने के संकल्प को भी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के जरिए साधा जाएगा। जीबीसी में अक्षय ऊर्जा या नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़ी उत्तर प्रदेश न्यू एंड रिन्यूवेबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (यूपीनेडा) की 182 परियोजनाएं मूर्त रूप लेते नजर आएंगी, इन परियोजनाओं पर करीब 1.3 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है।

यूपीनेडा के निदेशक अनुपम शुक्ला के अनुसार सौर ऊर्जा, बायो ऊर्जा, पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट (पनबिजली से संबंधित) और ग्रीन हाइड्रोजन से जुड़ी 182 परियोजनाएं प्रदेश में ऊर्जा के क्षेत्र में बड़े बदलाव का वाहक बनेंगी। उन्होंने बताया कि जीबीसी के लिए विभाग को 1.25 लाख करोड़ रुपये का निवेश लक्ष्य मिला था, इसके सापेक्ष विभाग 104 प्रतिशत (1.30 लाख करोड़) उपलब्धि हासिल करने में कामयाब रहा है।

इनमें सौर ऊर्जा से जुड़ी 42 परियोजनाओं पर 55,806 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। वहीं, बायो एनर्जी से जुड़ी 131 परियोजनाओं पर 7,299.35 करोड़ और पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट्स (पनबिजली से संबंधित) से जुड़ी आठ कंपनियों के माध्यम से 66,955 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। ग्रीन हाइड्रोजन से जुड़े एक प्रोजेक्ट की स्थापना भी 150 करोड़ रुपये के निवेश से प्रस्तावित है।

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के लिए राजधानी में जबदस्त सजावट की गई है, प्रमुख चौराहों को बिजली की झालरों से सजाया गया है, इसी क्रम में रविवार को 1090 चौराहा कुछ ऐसा दिखा • जागरण

बुंदेलखंड में रखी जाएगी 15 हजार करोड़ के निवेश प्रस्तावों की आधारशिला

अपेक्षाकृत पिछड़े माने जाने वाले बुंदेलखंड में भी अक्षय ऊर्जा से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी जाएगी। इनमें जालौन में एनएचपीसी द्वारा छह हजार करोड़ और चित्रकूट में चार हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। वहीं, ललितपुर में पांच हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं धरातल पर उतरेंगी। इसके अलावा मथुरा में अदाणी समूह की ओर से बायोगैस के क्षेत्र में तीन सौ करोड़ रुपये और प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में नैवेली लिग्नाइट कारपोरेशन द्वारा 3500 करोड़ रुपये का निवेश सौर ऊर्जा परियोजनाओं पर किया जाएगा।

यह और उप्र की राजनीति, सरकार और अपराध संबंधित अन्य खबरें www.jagran.com पर पढ़ें

राजधानी में एयरपोर्ट से आइजीपी तक उप्र की संस्कृति का अवलोकन करेंगे अतिथि

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) में आने वाले अतिथि उप्र की संस्कृति का भी दीदार करेंगे। एयरपोर्ट से आयोजन स्थल इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान (आइजीपी) तक 14 मंच बनाए जाएंगे। इन मंचों पर 350 से अधिक कलाकार लोकनृत्यों के जरिए आगंतुकों का स्वागत करेंगे।

आइजीपी में जीबीसी-4 में सोमवार को बिरजू महाराज कथक संस्थान के 12 कलाकार कथक नृत्य नाटिका पर श्रीराम स्तुति की प्रस्तुति देगी। पार्श्व गायिका मोनाली ठाकुर व ग्रैमी अवार्ड विजेता रिक्की केज की बैंड प्रस्तुति तथा रसिका शेखर की बांसुरी की धुन भी दर्शकों को आकर्षित करेगी। मार्ग पर बने मंचों पर मथुरा के राजेश शर्मा व जागृति पाल मयूर लोकनृत्य, अयोध्या के विजय यादव-शीतला प्रसाद वर्मा फरुवाही लोकनृत्य, प्रकृति यादव अवधी लोकनृत्य, राजेश गौड़ व आजमगढ़ के सतीश कुमार कहरवा लोकनृत्य पर प्रस्तुति देंगे। उमेश कन्नौजिया, गाजीपुर के सल्टूराम धोबिया लोकनृत्य, प्रयागराज की प्रीति सिंह व कृति श्रीवास्तव टीम ढेढ़िया लोकनृत्य, झांसी के निशांत सिंह भदौरिया व इमरान खान राई, मथुरा के खजान सिंह व महिपाल सिंह टीम के साथ बमरसिया लोकनृत्य और दिवारी-पाईडंडा लोकनृत्य पर महोबा के लखन लाल यादव- बांदा के अखिलेश यादव प्रस्तुति देंगे। सोनभद्र के कतवारू जनजाति लोकनृत्य व सोनभद्र की आशा कुमारी झूमर लोकनृत्य, संतोष सिंघा आदिवासी लोकनृत्य, पीलीभीत के बंटी राणा थारू लोकनृत्य पर अपनी प्रस्तुति देंगे।